परिशिष्ट

Estelar

परिशिष्ट संख्या–1
उत्तराखंड : एक परिचय

गठनः– 9 नवम्बर, 2000

अक्षांशीय स्थितिः– 28^0 43′ से 31^0 27′ उत्तरी अक्षांश

देशान्तरीय स्थितिः–77^0 34′ से 81^0 02′ पूर्वी देशान्तर

प्राकृतिक विभागः–महान हिमालय, मध्य हिमालय(हिमांचल), शिवालिक एंव तराई–भॉवर

क्षेत्रफलः– 53483 वर्ग किलोमीटर

पर्वतीय भू–भागः– 87 प्रतिशत

वन क्षेत्रफलः– 34662 वर्ग किलोमीटर

कृषि योग्य क्षेत्रः– 799837 हेक्टेअर

सिंचित क्षेत्रः– 340761 हेक्टेअर

जनसंख्याः– 84,89,349 (घनत्व– 159 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि0मी0)

लिंगानुपातः– 964 महिलाएं प्रति हजार पुरूष(सम्पूर्ण भारत– 933) चमोली, रूद्रप्रयाग, टिहरी, पौडी, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, एंव चम्पावत में लिंगानुपात सकारात्मक है।

कृषि निर्भर जनसंख्याः– लगभग 90 प्रतिशत

जनपदः–13

विकासखंड़ः–95

स्रोतः–1. भारत 2008, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली, पृष्ठ 1199, 1200 एंव 1201।

2. लोकेश नवानी, ''विनसर उत्तराखंड इयर बुकः 2008'', विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, देहरादून–2008, पृष्ठ17, 201, 262 एंव 264।

Estelar

परिशिष्ट संख्या–2

प्रश्नावली–1

कृषि विविधिकरण परियोजना(डॉस्प) का निष्पादन

(सहयोगी संस्थाओं हेतू)

सहयोगी संस्था का नाम

विकास खण्ड

1. संस्था का स्थापना वर्ष
   पंजीकरण तिथि
2. 'डास्प' से पूर्व किन कार्यक्रमों से जुडे रहे
3. संस्था के मुख्य उद्देश्य क्या हैं
4. 'डास्प' के अन्तर्गत किन कार्यो की जिम्मेदारी ली
5. संस्था द्वारा किस घटक को प्रमुखता दी गयी और क्यो?
6. ग्रामीण द्वारा दिखाये गये उत्साह पर टिप्पणी
7. कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाये जाने में आयी परेशानियॉ
8. 'डास्प' द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विविघ योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतू किस प्रकार का सहयोग दिया गया(कृपया निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत जानकारी दें)।
   (i) आर्थिक सहयोग
   (ii) तकनीकी सहयोग
   (iii) परामर्श
   (iv) समूह चर्चा
   (v) अन्य

Estelar

9. संस्था द्वारा आच्छादित कुल गाँवों की संख्या

10. विकास खण्ड के अनाच्छदित गाँवों की संख्या

11. गैर सरकारी संस्था द्वारा अनाच्छदित गाँवों में ना पहुॅचने का कारण

12. प्रत्येक चयनित गाँवों में परिवारों की संख्या

13. (i) चयनित परिवार का जीवकोपार्जन हेतू मुख्य व्यवसाय

    (ii) अन्य व्यवसाय

14. प्रत्येक चयनित परिवार की प्रतिमाह आय

15. 'डास्प' के विभिन्न कार्यक्रमों से लाभान्वित होने के उपरान्त प्रत्येक चयनित परिवार की आय में आया अन्तर

16. चयनित गाँवों के अन्तर्गत ग्रामीण जनों की स्वयं सेवी संस्था से क्या अपेक्षाएँ रही .....

17. सहभागिता प्रबंधन घटक के अन्तर्गत संस्था द्वारा किये गये कार्य .....

    (i) a) विचार गोष्ठियां, विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एंव अन्य क्रियाकलाप

    b) शैक्षिक भ्रमण

    c) नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना

    (ii) सहभागी परिवारों/लोगों की संख्या

18. ग्रामीणों की आर्थिक सुदृढ़ता हेतु गठित स्वयं साहयता समूहों की संख्या व समूहों द्वारा किये गये आर्थिक कार्य

19. सहयोगी संस्था द्वारा किये गये /कराये गये अभिनव प्रयोग

20. 'डास्प' के अन्तर्गत किये गये कार्यों की जॉच/ समीक्षा किस स्तर पर होती है–

    (i) संस्था के स्तर पर

    (ii) गाँव के किसी संभ्रत व्यक्ति के स्तर पर

    (iii) परियोजना समन्वयक इकाई के स्तर पर

    (iv) शासन द्वारा नामित किसी व्यक्ति द्वारा

Estelar

(v) अन्य

21. विश्व बैंक द्वारा यदि कार्यो की जॉच की गयी हो तो कब व किस रूप में
22. सहयोगी संस्था कार्य करने वाले कुल सहयोगी की संख्या
23. सहयोगीयों को दिया जाने वाला मानदेय/पारिश्रमिक .....
24. 'डॉस्प' द्वारा आपकी संस्था को किस प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया
25. संस्था में 'डॉस्प' के बारे में क्या विचार रखती है.....

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

26. 'डास्प' के अन्तर्गत जुड़ने से संस्था को प्राप्त अनुभव
27. आपकी संस्था ने योजना को किस प्रकार व किस रूप में विविध गाँवों तक पहुँचाया.....
28. संस्था 'डास्प' के बारे में क्या विचार रखती है .....
29. क्या आप 'डॉस्प' के अन्तर्गत किसी विशेष समस्या की ओर इंगित करना चाहेंगे.....
30. इस योजना के परिक्षेत्र में भविष्य के लिए आपके सुझाव .....

Estelar

परिशिष्ट संख्या–3

प्रश्नावली–2

कृषि विविधिकरण परियोजना(डॉस्प) का निष्पादन

(कृषक परिवारों/कृषक समूह हेतु)

कृषक का नाम

ग्राम **विकास खण्ड** **जनपद**

1. क्या आप डॉस्प परियोजना से परिचित हैं।
2. आपके गाँव में डॉस्प में किस घटक के अन्तर्गत कार्य किये हैं–
   - कृषि घटक
   - पशुपालन व डेयरी विकास घटक
   - रेशम घटक
   - आधारभूत संरचना घटक
   - सहभागिता प्रबन्धन घटक
3. आपके क्षेत्र में किया गया कोई अभिनव प्रयास
4. आर्थिक स्थिति में सुधार लाने हेतु डॉस्प द्वारा की गयी पहल
5. क्या आप जैविक खाद का प्रयोग करते हैं?
6. जैविक खेती के क्या परिणाम सामने आये हैं?
7. आप किस स्वयं सहायता संगठन से जुडा है (समूह का नाम)
8. आपके गाँव में डॉस्प द्वारा किस प्रकार का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
9. स्वयं सहायता संगठन से आपको क्या महत्वपूर्ण जानकारी मिली
   - कृषि घटक

Estelar

- पशुपालन व डेयरी विकास घटक
- रेशम घटक
- आधारभूत संरचना घटक
- सहभागिता प्रबन्धन घटक

10. डॉस्प द्वारा करायी गयी कोई सामूहिक चर्चा की जानकारी
11. विशेषज्ञों के दिये गये सुझावों से क्या परिणाम निकले
12. क्या आपको कृषि उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने का प्रयास किया गया
13. आप किस प्रकार की विविधिकृत खेती में संलग्न हैं
14. डॉस्प द्वारा आय सृजक क्रियाकलाप की जानकारी दी गयी
15. क्या आपके गाँव में फल/सब्जी संग्रह केन्द्र स्थापित किये गये
16. क्या आपने अपने उत्पाद को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया?
17- क्या आप डॉस्प के कार्यो से संतुष्ट हैं?
18. परियोजना के सम्बन्ध में आपका दृष्टिकोण

Estelar

परिशिष्ट संख्या–4

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (कृषक परिवारों/समूहों से)

(कृषि घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• कृषक परिवारों/कृषक समूहों को परियोजना की व्यापक जानकारी नहीं । • कुछ ही चयनित कृषकों को योजना के दायरे में लिया गया।															
02	• कृषक परिवारों/ कृषक समूहों के आर्थिक दृष्ट्रिकोण से कृषि विकास हेतु परियोजना द्वारा मुख्य कार्य किया गया।															
03	• अभिनव प्रयोग के अन्तगर्त पॉलीहाउस निर्माण विधि व उसके लाभ बताये गये। • जैविक खेती को प्रोत्साहन															
04	• चयनित सभी विकासखण्ड़ो में स्वयं सहायता समूहों का निर्माण किया गया। • वर्तमान में कई समूह भंग हो चुके हैं।															
05	• जैविक खेती के अन्तर्गत जैविक खादों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग। • पहाड़ी क्षेत्रों में जैविक खेती को प्रोत्साहन															
06	• उन्नत बीज वितरण व जानकारी कुछ ही कृषक परिवारों को उपलब्ध।															
07	• फल/सब्जी उत्पादन को बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया गया।															
08	• पलायनवादी प्रवृत्तियों की स्थिति सोचनीय है।															
09	• अधिक से अधिक कृषक परिवारों/कृषक समूहों को परियोजना में शामिल किया जाना चाहिए। • आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु कारगर कार्ययोजना का निर्माण हो।															
10	• अधिकांश कृषि क्षेत्र व कृषक समूह विकास परिधि से बाहर रहे।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–5
सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (कृषक परिवारों/समूहों से)
(पशुपालन एवं दुग्ध विकास घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• कृषक परिवारों/कृषक समूहों की पशु प्रदर्शनियों में भागीदारी कम रही। । • कुछ ही उन्नत कृषकों का लाभ।															
02	• उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता पहाड़ी भू–भाग में बहुत कम मात्रा में उपलब्ध करायी गयी। • जिससे पशुपालन एवं दुग्ध विकास घटक पर अच्छे परिणाम देखने को नहीं मिले।															
03	• पेरावेटरों द्वारा सीमित क्षेत्र में सेवाएं दी गयी।															
04	• परियोजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन मैदानी क्षेत्रों में नाममात्र को हुए।															
05	• पौष्टिक चारा उपलब्ध कराने की दृष्टि से जानकारी दी गयी।															
06	• पशु चिकित्सा केन्द्रों का दूरी पर होने के कारण असुविधा का सामना।															
07	• दुग्ध विपणन की दृष्टि से स्थिति सन्तोषजनक नहीं रही। पूर्व की तरह ही स्थिति बनी रही।															
08	• उन्नत नस्ल के पशुओं का अभाव। • पौष्टिक चारे की अनुपलब्धता															
09	• दुग्ध विपणन केन्द्र बनें। • कृषकों को उन्नत नस्ल के पशु उपलब्ध कराये जांय। • पशुओं हेतु चिकित्सा सुविधा मिले।															
10	• प्रोत्साहन हेतु जानकारी दी गयी लेकिन परिणाम संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–6

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (कृषक परिवारों/समूहों से)

(रेशम घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	मिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• पूर्व में रेशम उत्पादन की समुचित व्यवस्था नहीं थी। • परियोजना लागू होने के बाद बहुत कम क्षेत्रों में उत्पादन।															
02	• रेशम घटक के अन्तर्गत प्राथमिक समूह का गठन मैदानी भागों में किया गया।															
03	• रेशम घटक के अन्तर्गत स्वयं सेवी संस्थाओं की सीमित भूमिका रही। • कम लोगों का चयन व सुविधा प्रदान की गयी।															
04	• रेशम घटक के अन्तर्गत नर्सरी रोपण का कार्य सीमित मात्रा में किया गया।															
05	• रेशम कीट पालन सीमित मात्रा में।															
06	• रेशम घटक के अन्तर्गत कम मात्रा में रेशम उत्पादित किया।															
07	• सीमित क्षेत्र में ही तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराया गया।															
08	• रेशम उत्पादन प्रक्रिया के समुचित ज्ञान से अधिकांश कृषक वंचित रहे।															
09	• रेशम घटक को प्रोत्साहन दिया जाय। • नर्सरी/कीटपालन को बढ़ावा मिले। • रेशम कीट उपलब्ध कराये जाय। • समुचित ज्ञान मिले।															
10	• रेशम घटक के अन्तर्गत असीम सम्भावनांए हैं आवश्यकता अधिक से अधिक लोगों से रेशम उत्पादन प्रक्रिया से जोड़ने की है।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–7

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (कृषक परिवारों/समूहों से)

(अधारभूत संरचना घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• वर्तमान विपणन दशांए कृषक परिवारों के अनुकूल नहीं। • कृषि उत्पाद का उचित मूल्य न मिलना।															
02	• डॉस्प द्वारा विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु बहुत कम प्रयास किया गया।															
03	• ग्रामीण हाट/ बाजार का निर्माण केवल मैदानी भागों में किया गया।															
04	• संग्रह केन्द्रों का निर्माण केवल मैदानी भागों में।															
05	• मैदानी भागों में ही परियोजना के अन्तर्गत रोपवे निर्माण किया गया।															
06	• योजना के अन्तर्गत सम्पर्क मार्गों का निर्माण मैदानी क्षेत्रों में ही।															
07	• पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि उत्पाद के विपणन की प्रमुख समस्या • कृषि उत्पाद संग्रह केन्द्रों का अभाव विशेष रूप से पहाड़ी भू–भाग में।															
08	• कृषि उत्पाद को मण्डी तक पहुंचाने की सुविधा • कृषि उत्पाद का कृषकों को उचित मूल्य दिलाने की उचित व्यवस्था हो।															
09	• प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि उत्पाद के विपणन हेतु कृषक स्वयं ही प्रयास करता है। इस दिशा में डास्प द्वारा कोई विशेष रूचि नहीं ली गयी।															
10	• वर्तमान विपणन दशांए कृषक परिवारों के अनुकूल नहीं। • कृषि उत्पाद का उचित मूल्य न मिलना।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–8

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (कृषक परिवारों/समूहों से)

(अन्य गतिविधियाँ घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• अन्य गतिविधियां घटक के अन्तर्गत विभिन्न प्रशिक्षणों का लाभ कुछ ही लोगों को मिला।															
02	• कुछ गिने–चुन लोगों को शैक्षिक भ्रमण कराया गया। • शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत चयनित सभी विकासखण्ड़ों के कृषक प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया।															
03	• कृषक परिवारों/कृषक समूहों के मध्य चर्चा–परिचर्चा का आयोजन।															
04	• जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।															
05	• कृषक समूहों को ऋण सुविधा से जोड़ा गया। • व्याज दर में कोई रियायत नहीं।															
06	• समूह की बचत से ऋण का प्रयोजन कृषक समूहों के मध्य सदस्यों में आपसी सहायता।															
07	• समूह की बचत के आधार पर उनके बैंक में खाते खोले गये। • एक निश्चित सीमा के अन्तर्गत सदस्यों को ऋण सुविधाओं से जोड़ा गया।															
08	• कृषकों को सरकारी विभागों द्वारा ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु नवीनतम योजनाओं व जानकारी से विशेषज्ञों ने अवगत कराया।															
09	• कृषकों को लाभकारी जानकारी समय से दी जाय। • सस्ती व्याज दर पर ऋण सुविधाएं प्रदान करना।															
10	• कार्य योजना के अनुसार उत्साहजनक परिणामों की प्राप्ति नहीं।															

Estelar

Estelar

परिशिष्ट संख्या–9

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (सहयोगी संस्थाओं से)

(कृषि घटक)

क्रम संख्या		अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
	चयनित विकास खण्ड	ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	हवालबाग	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• प्रारम्भ में परियोजना के विषय में समुचित जानकारी न होने के कारण कृषकों ने अधिक ध्यान नहीं दिया। • सहयोगी संस्थाओं द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर चयनित जनपदों अल्मोड़ा, नैनीताल व ऊधमसिंह नगर के क्रमशः 6,6 व 3 विकासखण्ड़ों से कुछ ही कृषक समूह परियोजना से जुड़े।															
02	• चयनित सभी विकासखण्ड़ों में स्वयं सहायता समूहों का निर्माण हुआ। • गदरपुर, हल्द्वानी, जसपुर, काशीपुर, रामनगर व कोटाबाग विकासखण्ड़ों में स्वयं सहायता समूहों की संख्या अधिक रही। भीमताल, लमगड़ा, ताड़ीखेत, रामगढ़, भिक्यासैन, बेतालघाट, हवालबाग, धौलादेवी व सल्ट विकास खण्ड़ों में स्वयं सहायता समूहों की संख्या कम रही।															
03	• जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराया। • IPNM व IPM का प्रदर्शन। • विविधिकृत खेती को प्रोत्साहन • जैव कीट नाशकों का प्रयोग की जानकारी • पॉलीटनल व पॉली हाउस से सब्जी उत्पादन															
04	• जैविक खादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण • जैविक उत्पादों की गुणतत्ता की जानकारी • जैविक बाजार निर्माण के प्रयास															

	• पहाड़ी क्षेत्रों में जैविक खादों का प्रयोग तथा मैदानी भागों में रसायनिक खादों का प्रयोग।
05	• नये फलों जैसे कीवी आदि से अवगत कराया गया। • फल/सब्जी के उन्नत बीजों की जानकारी दी गयी।
06	• जिरेनियम व ग्लेडोलाई फूलों की खेती को प्रोत्साहन • पुष्प विक्रय हेतु बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास
07	• जैविक खादों की बिक्री • रिंगाल से टोकरी निर्माण/कलात्मक वस्तुएं बनाना/घेरेलू उद्योगों को बढ़ाना
08	• पलायनवादी प्रवृत्तियों पर कोई सुधार नहीं • पढ़े–लिखे नवयुवक ग्रामीण क्षेत्रों में रहना नहीं चाहते।
09	• परियोजना अल्पअवधि के लिए बनी। अवधि विस्तारित होना आवश्यक था। • राज्य के सभी जनपदों व विकासखण्ड़ों में परियोजना लागू होनी चाहिए थी। • N.G.O द्वारा बनायी गयी कार्ययोजना पर व्यापक अमल होना आवश्यक। • कृषि घटक के अन्तर्गत कृषकों द्वारा पर्याप्त रूचि दिखाने हेतु उन्हें जाग्रत करना तथा अधिक से अधिक कृषक समूहों का गठन होना आवश्यक।
10	• डास्प परियोजना की समय सीमा को बढ़ाया जाना।

Tested

परिशिष्ट संख्या–10

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (सहयोगी संस्थाओं से)

(पशुपालन एवं दुग्ध विकास घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• कुछ गिन–चुन विकासखण्डों में अभिनव प्रयोग किये गये ।															
02	• पैरावेटरों की कम संख्या में नियुक्ति, सभी विकासखण्डों के लिए पर्याप्त नहीं। • कम अवधि का प्रशिक्षण दिया गया। • पशु चिकित्सीय सुविधा • मानदेय निर्धारित															
03	• उपचारित चारा प्रयोग की जानकारी दी।															
04	• पशु नश्ल सुधार हेतु विशेष प्रोत्साहन। • शंकर नस्ल के पशुओं की उपलब्धता के प्रयास किये गये।															
05	• पंतनगर एवं मैदानी क्षेत्रों में पशु प्रदर्शनियों का आयोजन (पशु विक्रय हेतु)।															
06	• परियोजना के अन्तर्गत पहाड़ी क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन समितियां गठित नहीं हुई। • मैदानी क्षेत्रों में परियोजना द्वारा समितियों का गठन हुआ।															
07	• पंतनगर एवं मैदानी क्षेत्रों में उन्नत नश्ल के पशुओं का प्रदर्शन किया गया। (केवल प्रदर्शन हेतु)															
08	• पशु सुधार आवश्यक (उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता एवं पशुओं के रहने का उचित वातावरण)															
09	• डास्प ने पशुपालकों को आय का नया साधन दिया एवं पशुपालन एवं दुग्ध विकास हेतु नवीन तकनीकी से अवगत कराया।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–11

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (सहयोगी संस्थाओं से)

(रेशम घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	द्वाराहाट	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• प्रारम्भ में रेशम उत्पादन में कृषकों द्वारा बहुत कम रूचि ली गयी। • रेशम उत्पादन कम मात्रा में हुआ। • पर्वतीय जनपदों में योजना के अन्तर्गत केवल लमगड़ा विकास खण्ड ही चयनित किया गया।															
02	• योजना के अन्तर्गत बहुत कम प्राथमिक समूहों का गठन • नैनीताल व उधमसिंह नगर जनपद में अल्मोड़ा जनपद की तुलना में अधिक प्राथमिक समूहों का गठन।															
03	• शहतूत रोपण/नर्सरी रोपण का कार्य केवल कुछ ही विकास खण्ड़ों में जैसे –लमगड़ा, हल्द्वानी, रामनगर, कोटाबाग, जसपुर, काशीपुर तथा गदरपुर															
04	• रेशम घटक के अन्तर्गत तकनीकी ज्ञान का प्रसार सीमित रहा।															
05	• रेशम बाजार संगठित व सुविकसित न हो सका। • यद्यपि रेशम बाजार व केन्द्र खोले गये (हल्द्वानी में कुसुमखेड़ा नामक स्थान पर रेशम बाग)।															
06	• सहयोगी संस्थाओं द्वारा अपने स्तर से उचित मार्गदर्शन दिया गया। • प्रशिक्षण व बाजार से जोड़ने का प्रयास।															
07	• पर्याप्त रूचि का अभाव देखने को मिला।															
08	• मौसम अनुकुलता व उपयुक्तता के आधार पर अधिक से अधिक विकासखण्डों में रेशम घटक को प्रोत्साहन दिया जाय।															
09	• अतिरिक्त आय का स्रोत। • पर्याप्त सम्भावनाएं।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–12

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (सहयोगी संस्थाओं से)

(अधारभूत संरचना घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिक्यासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	हवालबाग	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• क्षेत्र विशेष का चयन। • कार्ययोजना बनाना।															
02	• विपणन एजेन्सियों को जोड़ने का प्रयास • कृषकों को मदर डेयरी दिल्ली से जोड़ने का प्रयास किया गया।															
03	• मैदानी भागों में हाट बाजार निर्मित किये गये। • पहाड़ी क्षेत्रों में इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।															
04	• पहाड़ी क्षेत्रों में फल–सब्जी संग्रह केन्द्रों के निर्माण का प्रयास। • मैदानी क्षेत्रों में अधिक रूचि।															
05	• योजना के अन्तर्गत रोपवे का निर्माण बहुत कम व अधिकांश की निर्माणाधीन स्थिति। • उचित लाभ नहीं मिल सका															
06	• सड़क/पुलों का निर्माण हेतु मैदानी क्षेत्रों को प्राथमिकता															
07	• विपणन केन्द्रों की स्थापना हो। • पूर्ति निरन्तर बनाये रखने का प्रयास हो। • विवणन के कारगर चैनल बने।															
08	• जानकारी के अनुसार कम लाभान्वित स्थिति रही। • मैदानी क्षेत्रों में ही कुछ सुधार देखने को मिला।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–13

सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त तथ्य परक जानकारी (सहयोगी संस्थाओं से) (अन्य गतिविधियाँ घटक)

क्रम संख्या	चयनित विकास खण्ड	अल्मोड़ा						नैनीताल						उधमसिंह नगर		
		ताड़ीखेत	भिकियासैन	सल्ट	लमगड़ा	धौलादेवी	हवालबाग	हल्द्वानी	रामनगर	कोटाबाग	भीमताल	रामगढ	बेतालघाट	जसपुर	काशीपुर	गदरपुर
01	• परियोजना हेतु संस्था के चयन का आधार पूर्व में किये गये विकास कार्यो पर आधारित रहा।															
02	• संस्था ने विभिन्न गतिविधियों में जुड़कर सहभागिता की।															
03	• प्रशिक्षण की दृष्टि से विशेषज्ञों की सेवाएं ली गयी। • संस्था के कार्यकत्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया।															
04	• शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें भागीदारी बहुत कम रही।															
05	• जन– जागरूकता कार्यक्रम के तहत चर्चा–परिचर्चा/गोष्ठियों का आयोजन • परियोजना के मुख्य अधिकारियों एवं विश्व बैंक के अधिकारियों द्वारा जन–जागरूकता कार्यक्रम															
06	• वित्तीय संस्थाओं एवं बैंकों से ग्रामीणों को जोड़ा गया। • ग्रामीणों को स्वयं सहायता समूहों के निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया गया।															
07	• समय–समय पर विषय विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम जानकारियां उपलब्ध करायी गयी।															
08	• लाभ परक योजनाओं की जानकारी दिया जाना आवश्यक। • अधिक से अधिक लोगों को ऋण योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाना जरूरी।															
09	• सर्वेक्षण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बहुत कम समूह अन्य गतिविधियों से जुड़े।															

Estelar

परिशिष्ट संख्या–14

उत्तराखंड में जनपदवार जनसंख्या की स्थिति

क्र. सं.	जनपद	पुरूष	महिला	ग्रामीण जनसंख्या	कुल जनसंख्या
1.	अल्मोड़ा	293576	3368870	576497	630446
2.	बागेश्वर	118202	131251	241650	249453
3.	चमोली	183033	186165	319613	369198
4.	चम्पावत	110916	113545	191727	224461
5.	देहरादून	675549	603534	601965	1279083
6.	हरिद्वार	773173	671040	998550	1444213
7.	पौड़ी गढ़वाल	331138	365713	606629	696851
8.	पिथौरागढ़	227592	234557	406025	462149
9.	नैनीताल	400336	362576	493126	762912
10.	रूद्रप्रयाग	107425	120036	224740	227461
11.	टिहरी	294842	309766	546133	604608
12.	उधमसिंह नगर	649020	585528	831407	1234548
13.	उत्तरकाशी	151599	142580	271255	294179
				योग	**8479562**

स्रोतः–Census of India 2001

Estelar

परिशिष्ट संख्या–15

उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों में साक्षरता

क्र. सं.	जनपद	पुरूष साक्षरता		महिला साक्षरता		कुल साक्षरता	
		कुल	दर(%)	कुल	दर(%)	कुल	दर(%)
1.	देहरादून	506621	85.87	374855	71.22	881476	78.96
2.	नैनीताल	299751	87.39	220382	70.98	520133	79.60
3.	उधमसिंह नगर	409623	76.20	262057	54.16	671680	65.76
4.	अल्मोड़ा	219784	90.15	178607	61.43	398391	74.58
5.	उत्तरकाशी	101716	84.52	56485	47.48	163501	66.58
उत्तराखंड		**3044487**	**84.01**	**2130689**	**60.26**	**5175176**	**72.28**

स्रोत :–Census of India 2001

Estelar

<u>परिशिष्ट संख्या–16</u>

<u>परियोजनान्तर्गत जनपदों(कुमॉऊ) में सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम</u>

क्र.सं.	जनपद	सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम
1.	अल्मोडा	हिमालयी आजिविका सुधार परियोजना
		जिला ग्रामीण उद्योग परियोजना
		मार्जिन मनी योजना(खादी ग्रामोद्योग बोर्ड)
		स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना
		स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना
		नवीन सरलीकृत ग्रामीण ऋण सह अनुदान आवास योजना
		सधन मिनी डेरी परियोजना
		वेंचर कैपिटल फंड योजना(नाबार्ड)
		वर्षा जल संग्रहण योजना(अनु0जाति / अनु0जनजाति के लिए)
		पम्पसेट / लघु सिचांई योजना
2.	नैनीताल	स्पेशल कंपोनेंट प्लान
		प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना
		मार्जिन मनी योजना
		उ0प्र0 खादी एंव ग्रामीण उद्योग बोर्ड व कमीशन
		सघन मिनी डेरी योजना
		स्वर्ण जंयती शहरी स्वरोजगार योजना
		वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पयर्टन स्वरोजगार योजना
		स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना
3.	उधमसिंह नगर	स्पेशल कंपोनेंट प्लान
		प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना
		मार्जिन मनी योजना
		उ0प्र0 खादी एंव ग्रामीण उद्योग बोर्ड व कमीशन
		सघन मिनी डेरी योजना
		स्वर्ण जंयती शहरी रोजगार योजना
		वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पयर्टन स्वरोजगार योजना
		स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना
		आर्टीजन क्रेडिट कार्ड योजना
		स्वच्छकार विमुक्ति योजना
		सेमफैक्स–II(SEMFEX)

स्रोतः– वार्षिक योजना–बैंक ऑफ बडौदा, उधमसिंह नगर व नैनीताल,
भारतीय स्टेट बैंक, अल्मोडा(वर्ष–2004–05, 2005–06, 2006–07)

Estelar

परिशिष्ट संख्या–17

विकासकार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रबन्ध–सेवा एंव उत्तरदायी अभिकरण

क्रम संख्या	ऋण श्रेणी	क्रार्यक्रम	कार्यवाही हेतु एजेन्सी
1.	फसली ऋण	1.गांवो का अंगीकरण	व्यवसायिक बैंक
		2.आर्दश फसल चक्र निमार्ण	जिला कृषि अधिकारी, खंड विकास अधिकारी
		3.खेतों पर प्रदर्शन	जिला कृषि अधिकारी, खंड विकास अधिकारी
		4.बीज, उर्वरक, रसायन पूर्ति	जिला कृषि अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, विक्रेता, सहकारी समितियां
		5.कृषि रक्षा कार्य	कृषि रक्षा ईकाई
2.	सिचांई/कृषि यंत्र	1.भूमिजल की उपलब्धता का प्रमाण	भूमि जल सर्वेक्षण विभाग
		2.ट्यूबवैल की तकनीकी जानकारी	भूमि जल सर्वेक्षण विभाग
		3.लघु कृषकों को सामूहिक सिंचाई सुविधा	परियोजना अधिकारी
		4.पम्पसेटों का विद्युतिकरण	उ0प्र0 विद्युत निगम
		5.पम्पसेटों, मोटरों की वांछित मात्रा एंव आकार	विक्रेता, निर्माता, जिला प्रशासन
		6.पम्पसेटों आदि में विक्रय बाद सेवाएं	विक्रेता, निर्माता, जिला प्रशासन

Estelar

		7.वितरण प्रणाली द्वारा डीजल की नियमित पूर्ति	जिला प्रशासन
		8.खेतों में नहर/गूल निर्माण	जिला प्रशासन
		9.कृषि विकास कार्यों हेतु प्रसार सुझाव	बैंक का तकनीकी विभाग, प्रसार शिक्षा विभाग
3.	दुधारू/हलजोत पशु/मुर्गीपालन सुँअर पालन मत्स्य पालन	1.अच्छी किस्म के पशुओं की उपलब्धता	पशुधन विकास विभाग
		2.पशुओं हेतु चारा/दाना व्यवस्था	जिला प्रशासन
		3.पशु चिकित्सा सुविधाएं	पशुपालन विभाग
		4.दूध मार्ग का चयन	दूध संघ/जिला प्रशासन
		5.अतिरिक्त दूध विपणन	दूध संघ
		6.मछलियों का जाल/बीज उत्पादन पूर्ति	जिला प्रशासन
4.	गोबर गैस संयंत्र	1.स्थान चयन/लोहा/सीमेन्ट व्यवस्था अन्य उपकरण एंव स्थापना	जिला प्रशासन, खादी ग्रामोद्योग आयोग
5.	उद्योग	1.ग्रामीण एंव कुटीर उद्योग	जिला उद्योग केन्द्र, खादी ग्रामोद्योग आयोग
		2.लघु उद्योग– तकनीकी सुविधा	जिला उद्योग केन्द्र

सोत्रः–1. वार्षिक योजना–बैंक ऑफ बडौदा, नैनीताल,(वर्ष–2004–05, 2005–06, 2006–07)
2. वार्षिक योजना–बैंक ऑफ बडौदा, उधमसिंह नगर,(वर्ष–2004–05,2005–06,2006–07)
3. वार्षिक योजना–भारतीय स्टेट बैंक, अल्मोडा(वर्ष–2004–05, 2005–06, 2006–07)

Estar

परिशिष्ट संख्या–18

डॉस्प अन्तर्गत चयनित जनपदों(कुमॉऊ) में कृषि घटक/कृषि सहयोगी घटक/कृषि इतर घटक एंव अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलापों की जानकारी

क्र. सं.	जनपद	घटक/कार्यक्रम	सम्बन्धित अधिकारी
1.	नैनीताल	**कृषि**	
		1.खाद्यान्न उत्पादन	परियोजना अधिकारी(कृषि), भीमताल
		2.पौंध संरक्षण	पौधं संरक्षण अधिकारी, भीमताल
		3.गन्ना उत्पादन	गन्ना विकास अधिकारी, हल्द्वानी
		4.फलोद्यान	जिला उद्यान अधिकारी, भीमताल विशेषज्ञ(बागवानी), हल्द्वानी
		5.फल परिरक्षण	फल परिरक्षण अधिकारी, भीमताल
		6.पुष्प, सब्जी, आलू, मशरूम	आलू विकास अधिकारी, भीमताल
		7.भूमि विकास	भूमि संरक्षण अधिकारी, भीमताल एंव हल्द्वानी
		कृषि सहयोगी घटक	
		1.मत्स्य विकास	सहायक निदेशक(मत्स्य) एंव पर्वतीय मत्स्य विकास अभिकरण, काठगोदाम
		2.रेशम विकास	सहायक निदेशक(रेशम उद्योग), हल्द्वानी
		3.पशुधन विकास	जिला पशुधन अधिकारी, भीमताल उप निदेशक, सघन पशुधन विकास कार्यक्रम, हल्द्वानी
		4.कुक्कुट विकास	मुख्य परियोजना अधिकारी(कुक्कुट), सघन कुक्कुट विकास परियोजना, हल्द्वानी
		5.शूकर एंव शशक विकास	जिला पशुधन अधिकारी, भीमताल

Estelar

		6.दुग्ध विकास	प्रधान प्रबन्धक, नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, नैनीताल प्रधान प्रबन्धक, मिनी डेयरी विकास, लालकुऑ
		कृषि इतर घटक	
		1.लघु उद्योग	जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी
		2.ग्रामोद्योग	जिला ग्रामोद्योग विकास अधिकारी,हल्द्वानी
		3.हथकरघा कढ़ाई, छपाई, कालीन	सहायक निदेशक(हथकरघा), काशीपुर
2.	अल्मोड़ा	**कृषि**	
		1.खाद्यान्न उत्पादन	परियोजना अधिकारी(कृषि), अल्मोड़ा
		2.पौंध संरक्षण	पौध संरक्षण अधिकारी, अल्मोड़ा
		3.जड़ी–बूटी उत्पादन	जिला कृषि अधिकारी, अल्मोड़ा
		4.फलोद्यान	जिला उद्यान अधिकारी, अल्मोड़ा
		5.फल परिरक्षण	फल परिरक्षण अधिकारी, अल्मोड़ा
		6.पुष्प, मशरूम, सब्जी, आलू	आलू विकास अधिकारी, अल्मोड़ा
		7.भूमि विकास	भूमि संरक्षण अधिकारी, अल्मोड़ा
		कृषि सहयोगी घटक	
		1.मत्स्य विकास	सहायक निदेशक(मत्स्य) एंव पर्वतीय मत्स्य विकास अभिकरण, अल्मोड़ा
		2.पशुधन विकास	जिला पशुधन अधिकारी, अल्मोड़ा उप निदेशक, सघन पशुधन विकास कार्यक्रम, अल्मोड़ा
		3.कुक्कुट विकास	मुख्य परियोजना अधिकारी(कुक्कुट), सघन कुक्कुट विकास परियोजना, अल्मोड़ा
		4.खरगोश पालन	जिला पशुधन अधिकारी, अल्मोड़ा
		5.दुग्ध विकास	प्रधान प्रबन्धक, अल्मोड़ा दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, अल्मोड़ा प्रधान प्रबन्धक, मिनी डेयरी विकास, अल्मोड़ा
		कृषि इतर घटक	
		1.लघु उद्योग	जिला उद्योग केन्द्र, अल्मोड़ा

Estelar

		2.ग्रामोद्योग	जिला ग्रामोद्योग विकास अधिकारी, अल्मोड़ा
		3.हथकरघा कढ़ाई, छपाई, कालीन	सहायक निदेशक(हथकरघा), काशीपुर
3.	उधमसिंह नगर	**कृषि**	
		1.खाद्यान्न उत्पादन	परियोजना अधिकारी(कृषि), उधमसिंह नगर
		2.पौंध संरक्षण	पौधं संरक्षण अधिकारी, उधमसिंह नगर
		3.गन्ना उत्पादन	गन्ना विकास अधिकारी, उधमसिंह नगर
		4.फलोद्यान	जिला उद्यान अधिकारी, उधमसिंह नगर
		5.फल परिरक्षण	फल परिरक्षण अधिकारी, उधमसिंह नगर
		6.पुष्प, मशरूम, सब्जी, आलू	आलू विकास अधिकारी, उधमसिंह नगर
		7.भूमि विकास	भूमि संरक्षण अधिकारी, उधमसिंह नगर
		कृषि सहयोगी घटक	
		1.मत्स्य विकास	सहायक निदेशक(मत्स्य) एंव पर्वतीय मत्स्य विकास अभिकरण, काठगोदाम
		2.रेशम विकास	सहायक निदेशक(रेशम उद्योग), हल्द्वानी
		3.पशुधन विकास	जिला पशुधन अधिकारी, उधमसिंह नगर उप निदेशक, सघन पशुधन विकास कार्यक्रम, हल्द्वानी
		4.कुक्कुट विकास	मुख्य परियोजना अधिकारी(कुक्कुट), सघन कुक्कुट विकास परियोजना, हल्द्वानी
		5.शूकर एंव शशक विकास	जिला पशुधन अधिकारी, उधमसिंह नगर

Estelar

		6.दुग्ध विकास, सघन मिनी डेयरी विकास	प्रधान प्रबन्धक, उधमसिंह नगर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, उधमसिंह नगर सहकारी संघ, उधमसिंह नगर
		कृषि इतर घटक	
		1.लघु उद्योग	महा प्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, उधमसिंह नगर
		2.ग्रामोद्योग	जिला ग्रामोद्योग विकास अधिकारी, उधमसिंह नगर
		3.हथकरघा कढ़ाई, छपाई, कालीन	सहायक निदेशक(हथकरघा), काशीपुर

स्रोतः–1. वार्षिक योजना–बैंक ऑफ बडौदा, नैनीताल, (वर्ष–2004–05,2005–06, 2006–07)
2. वार्षिक योजना–बैंक ऑफ बडौदा, उधमसिंह नगर,(वर्ष–2004–05,2005–06,2006–07)
3. वार्षिक योजना–भारतीय स्टेट बैंक, अल्मोडा(वर्ष–2004–05,2005–06,2006–07)

Estelar

परिशिष्ट संख्या–19

सर्वेक्षण हेतु चयनित प्रतिदर्श

जनपद	विकासखंड	कुल गांवो की संख्या	परियोजना में चयनित गांवों की संख्या	कृषक समूहों की संख्या	कृषक समूहों में कृषकों की कुल संख्या
नैनीताल	हल्द्वानी	252	28	149	745
	रामनगर	187	27	143	717
	भीमताल	112	24	83	104
	रामगढ़	130	17	59	178
	कोटाबाग	115	14	116	232
	बेतालघाट	133	20	71	98
			योग	**621**	**2074**
उधमसिंह नगर	जसपुर	108	27	80	144
	काशीपुर	67	19	62	127
	गदरपुर	69	28	91	189
			योग	**233**	**460**
अल्मोडा	ताड़ीखेत	261	16	34	102
	भिक्सासैंण	187	16	37	111
	सल्ट	257	16	33	65
	लमगडा	199	16	48	104
	धौलादेवी	238	17	32	64
	हवलबाग	220	16	49	98
			योग	**233**	**544**

सोत्रः–1. कृषि विविधिकरण सहयोग परियोजना के विभिन्न प्रतिवेदन,
2. सर्वेक्षण

Estelar

परिशिष्ट संख्या–20

भारतीय कृषि में निवेश

वर्ष	कृषि में निवेश (करोड़ रू0 में)			कृषि सकल निवेश में हिस्सा (प्रतिशत में)		स्थिर कीमतों पर स0घ0उ0** का कृषि में निवेश (प्रतिशत में)
	कुल	सार्वजनिक	निजी	सार्वजनिक	निजी	
1999–2000	43473	7716	35757	17.70	82.30	2.20
2000–2001	38735	7155	31580	18.50	81.50	1.90
2001–2002	47043	8746	38297	18.60	81.40	2.20
2002–2003	46823	7962	38861	17.00	83.00	2.10
2003–2004	45132	9376	35756	20.80	79.20	1.90
2004–2005	48576	10267	38308	21.10	78.90	1.90
2005–2006*	54539	13219	41320	24.20	75.80	1.90

सोत्रः–केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन

टिप्पणीः–**स0घ0उ0– सकल घरेलू उत्पाद

टिप्पणीः–* त्वरित अनुमान

Estelar

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Cythia, D. Fisher, Lyle, F. Schoolnfeldt, James, B.Shaw, "Human Resource Management", Biztamtra, New Delhi, 2005.
2. Harold, Koontz, Heinz, weihrich, "Essentials of MANAGEMENT An International Perspeetive", Tata Mcgraw- Hill Publishing Company Limited, New Delhi,-2005
3. V.S. RAMASWAMY, S. NAMAKUMARI, "MARKETING MANAGEMENT, - PLANNING ,IMPLEMENTATION & CONTROL", MACMILLAN INDIA LTD- 2005
4. P. JYOTHI, D.N. VENKATESH, "Human Resource Management", OXFORD UNIVERSITY PRESS,-2006
5. "CORPORATE LAWS",TAXMANN'S 2005
6. PREM J. BHUTANI, " PRINCIPLES OF ECONOMICS", TAXMANN Allled services (P.) Ltd. New Delhi-July- 2004
7. N.K.Sharma, "CURRENT ISSUSES IN MANAGEMENTS" Indus vally Publications, Jaipur -2005
8. S.N. Tiwari, "Micro Economics" Vishvabharti Publications , New Delhi-2005
9. S.B. Singh,"MACRO ECONOMICS", Vishvabharti Publications, New Delhi-2005
10. डॉ0 अमरजीत सिंह, ''विकेन्द्रीकृत नियोजन एवं सहभागी विकास'', बी0एस0 शर्मा ब्रदर्स, आगरा–2003
11. सी0 एच0 हनुमंताराव प्लानिंग कमिशन भारत सरकार, ''Repost of Working group on Disttric Planning"
12. सूक्ष्म स्तरीय नियोजन'' –प्रिया 9995, सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ
13. डॉ0 वी0के0 थापलियाल, डी–सेण्ट्रलाइज प्लानिंग कॉनसेप्ट स्कोप एण्ड 'मेथडोलोजी जनरल ऑफ रूरल डेवलपमेन्ट एन0आई0आर0डी0, हैदराबाद

Estelar

14. भारत शासन योजना आयोग, योजना परियोजना समिति ''सामुदायिक परियोजना एवं राष्ट्रीय प्रसार सेवाओं पर अध्ययन दल का प्रतिवेदन'' अध्यक्ष बलवंत राय मेहता वाल्यूम प्रथम, नई दिल्ली 1957
15. थामस इसाक, ''पीपुल्स कैम्पेन फॉर डिसेन्ट्रलाइटड प्लानिंग इन केरला'' 1999, केरला प्लानिंग बोर्ड, तिरूअनंतपुरम
16. थामस इसाक एवं रिचर्ड डब्लू फ्रैन्क – ''लोकल डेमोक्रेसी एण्ड डेपलमेण्ट'' 2000, लेफ्ट वर्ड, नई दिल्ली
17. श्याम लाल गौड़, ''कृषि परियोजना ऋण विधि और व्यवहार'' हिमालया पब्लिशिंग हाउस–1999
18. डॉ0 जयन्ती प्रसाद नौटियाल, ''कृषितर ग्रामीण ऋण और बैंकों की भूमिका'', हिमालया पब्लिशिंग हाउस –1997
19. Dr. Neetu Baporikar, "ENTREPRENEURSHIP AND SMALL INDUSTRY ,Hemalaya Publishing House- 2006
20. CHUNAWALLA, KUMAR, SETHIA, SUBRAMANIAN, SUCHAK, "ADVERTISING – THEORY AND PRACTICE", Himalaya Publishing House - 2006
21. PHILIP KOTLER, KEVIN LANE KELLER, "Marketing Management", Prentice- Hall of India Private Limited- 2005
22. Rob Monster and Raymond Pettit, "Market Research En the Internet age", John Wiley and sons (Asia) pte Ltd.2002
23. श्याम सुन्दर कुमावत, ''उद्यमी और उद्यमिता'',क्वासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली–2001
24. M. Soundarapandian, "Small Scale Industries",Volume- I – Problems, Volume- II Management CONCEPT PUBLISHING COMPANY, New Delhi 2002
25. ''आर्थिक समीक्षा'' –2004–05 एवं 2005–06

Estelar

26. JEAN DREZE, AMARTYA SEN "INDEA Development AND Participation", OXFORD UNIVERSITY PRESS-2002
27. A.P. Thirlwall, "Growth and Development – with special reference to developing economics MACMILLAN PRESS LTD – 1999
28. एस0 के0 मिश्रा, वी0के0पुरीख ''भारतीय अर्थव्यवस्था'', हिमालया पब्लिशिंग हाउस– 2007
29. S.M. Jha, "SOCIAL MARKETING" Himalaya Publishing House – 2005
30. सुमन चन्द्र कलवार, तेजराम मीणा, ''निर्धनता उन्मूलन एवं ग्रामीण विकास'', पोइन्टर पब्लिशर्स –2001
31. लोकेश नवानी, ''विनसर उत्तराखंड इयर बुकः 2008'', विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, देहरादून–2008
32. Isher Judge Ahluwalia, "INDIA'S ECONOMIC PEFORMS AND DEVELOPMENT", OXFORD UNIVERSITY PRESS 2001
33. R.B. Singh, PLANNING FOR RURAL DEVELOPMENT, DISCOVERY PUBLISHING HOUSE- 1987
34. MOHAN PRASAD. HARI DEV GAGNEJA "Rural Economics", B.R. PUBLISHING CORPORATION – 1984
35. AMARTIYA SEN, "Poverty and Famines- An essay on Entitlement and Deprivation", OXFORD UNIVERSITY PRESS-2001
36. Katar Singh, "Rural Development – Principles, Policies and Management", Saga Publications, New Delhi-1999
37. C.S. Prasad, "Sixty Years of Indian Agriculture 1947 to 2007" New Century Publication New Delhi-2006
38. Uma Kapila,"Understanding the problem of Indian Economy"Academic Foundation New Delhi-2003
39. david Mosse, "Cultivating development –an Ethnography of Aid Policy and Practice" vistaar Publication, New Delhi-2005

Estelar

40. Sadhna Arya, Anupama Ray, “Poverty, gender and migration” SAGE Publication, New Delhi-2006
41. Debal K.Singharoy, “Social Development and the Empowerment of Marginalized Groups – Perspectives and strategies”, Sage publication, New Delhi – 2003
42. K.G. Karmakar] “RURAL CREDIT AND SELE-HELP GROUPS Micro-Finance Needs and concepts in India”, Sage Publications, New Delhi-2003
43. ARPITA MUKHERJEE, NITISHA PATER, “FDI in Retail Sector INDIA”, ACADEMIC FOUNDATION 2005
44. Nutan tyagi, “Hill Resorts of U.P. HIMALAYA- A geographical Study”, INDUS PUBLISHING COMPANY, New Delhi-1991
45. Prof. D.L. Narayana, DR. Boppana Nagarijuna. “ ECONOMICS OF HIMAN RESOURCE DEVELOPMENT – A perspective Analysis”, SERIALS PUBLICATIONS, New Delhi-2005
46. Ishwar C. Dhingra, “The Indian Economy Environment and policy”, Sulthan Chand & Company, New Delhi- 2006
47. R. Radhakrishna, Alakh N. Sharma, “EMPOWERING RURAL LABOUR IN INDIA Market, State and Mobilisation”, INSTITUTES FOR HUMAN DEVELOPMENT, NEW DEHHI-2006
48. Raj Kapila & Uma Kapila, INDIA’S ECONOMY A JOURNEY IN TIME AND SPACE, ACADEMIC FOUNDATION, NEW DELHI- 2006
49. Rohini Nayyr and Alakh N. Sharma, “Rural Transformation in India, The Role of Nonfarn sector”, INSTITUTE FOR HUMAN DEXELOPMENT, NEW Dehli- 2005
50. ROBERT. D. HISRICH, MICHAEL, P, PETERS, DEAN A. SHEPHERD ENTREPRENEURSHIP, SIXTH EDITION., Tata Mc Graw- Hill Publishing Company Limited, New Delhi- 2007

Estelar

51. योजना, विकास को समर्पित मासिक, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
52. कुरूक्षेत्र, ग्रामीण विकास को समर्पित मासिक, ग्रामीण विकास मंत्रालय की प्रमुख मासिक पत्रिका, प्रकाशन विभाग परिमाला हाउस, नई दिल्ली
53. खादी ग्रामोद्योग, ग्रामीण अर्थ विषयक पत्रिका, खादी व ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय इर्ला रोड, बिले पार्ले (पश्चिम बम्बई)
54. Status Report – ICR, Prepared for ICR Mission Diversified Agricultural Suport Project, Uttranchal
55. छोटी सी आशा, सफलता की कहानियाँ, कृषि विविधीकरण परियोजना, उत्तरांचल, देहरादून
56. एक समापन ..... फिर एक नई शुरूआत, सफलताओं पर दृष्टिकोण, कृषि विविधीकरण परियोजना उत्तरांचल, देहरादून
57. Socio – Economic Impact- Assessment of Diversified Agricultural Support Project Uttaranchal; A Report by Agricultural Management Centre, Indian Institute of Management, Lucknow, Project Loordination Unit, Dheradun
58. सपना हुआ साकार, सफलता के तीन वर्ष, उत्तरांचल शासन, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
59. संगठन से सशक्तता की ओर, कृषि विविधीकरण परियोजना (डॉस्प), उत्तरांचल, सोसायटी ऑफ पीपल फॉर डेवलपमेंट (एस0पी0डी0), देहरादून
60. डॉ. अलका गौतम, भारत का बृहद् भूगोल, प्रथम संस्करण 2007, शारदा पुस्तक भवन, पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 11, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहबाद–2
61. किसान की कहानी किसान की जुबानी, उत्तरांचल जैविक कृषि की ओर, प्रायोजक : सी0 भास्कर, कृषि विविधीकरण परियोजना, उत्तरांचल, देहरादून,

Estelar

62. हमारा प्रयास अनवरत विकास, मजबूत बुनियादः बेहतर भविष्य 2002–2006, उत्तरांचल शासन, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
63. अभिनव प्रयास, सफलता की कहानियॉ, कृषि विविधीकरण परियोजना, उत्तरांचल, जिला परियोजना समन्वयन इकाई उधमसिंह नगर
64. गागर में सागर, कृषि विविधीकरण परियोजना, उत्तरांचल, जिला परियोजना समन्वयन इकाई, उधमसिंह नगर
65. सब्जियों में एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन, कृषि विविधिकरण परियोजना, उत्तरांचल के सहयोग से विनारॉक इटरनेशनल संस्था के आई0पी0एम0 विशेषज्ञों द्वारा सब्जियों में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन विषय पर प्रस्तुत अध्ययन रिपोर्ट एवं संस्तुतियों का हिन्दी रूपान्तरण डॉस्प, उत्तरांचल परियोजना समन्वय इकाई, देहरादून
66. उद्यमिता, लघु उद्योग स्वरोजगार व प्रबन्ध क्षेत्रों में मार्गदर्शक, उद्यमिता विकास केन्द्र, मध्य प्रदेश (सेडमैप)
67. अग्रणी बैंक कार्यालय रूद्रपुर, बैंक ऑफ बडौदा,
    अग्रणी बैंक कार्यालय नैनीताल, बैंक ऑफ बडौदा,
    अग्रणी बैंक कार्यालय अल्मोड़ा, भारतीय स्टेट बैंक

Estelar

JOURNALS

1. INDIAN JOURNAL OF AGRICULTURAL ECONOMICS Vol. 62 / JANUARY – MARCH 2007 / NO.1 INDIAN SOCIETY OF AGRICULTURAL ECONOMICS MUMBA
2. Journal of Social and Economics Development Vol. -8 / July – December 2006 / No. 2 Bangalore
3. The Asian Economic Review Journal of the Indian Institute of Economics Volume -48 / December 2006 / No. 3 Hyderabad
4. THE INDIAN JOURNAL OF INDUSTRIAL RELATIONS Vol. 42 / October- 2006 New Delhi
5. Journal of Rural Cooreration Vol 35 / Spring 2007 / No. 1 Jerusalem
6. JOURNAL OF RURAL DEVELOPMENT A QUARTERLY JOURNAL OF NIRD Vol. 25 October – December 2006 No. 4, Hyderbad
7. INDIAN AGRICULTURE IN THE NEW MILLENNIUM: CHANGING PERCEPTIONS AND DEVELOPMENT POLICY- N.A. Mujundar and Uma Kapila – Academic foundation, New Delhi -2005
8. KISAN WORLD Vol. – 34 March 2007 No. – 03, Chennai
9. Productivity Vol. – 46 January – March No. – 4 A Quarterly Journal of the National Product Nity Council – New Delhi – Bangalore
10. THE INDIAN JOURNAL OF COMMERCE Quarterly Publication of the Indian Commerce Association Vol. 59 October– December- 2006 No.–4 New Delhi
11. "INDIAN MANAGEMENT" The Journal of the all India Management Association A business Standard Publication, New Delhi Vol. -46 Issue 4 April 2007
12. BUSINESS ANALYST A Journal of Shri Ram college of commerce Vol.-1 October – March 2006-07,No.-2, New Delhi

Estelar

13. "BUSINESS STUDIES" vol. xxv January & July 2004 No.142 Department of Commerce, University of Calcutta, Kolkata
14. INDIAN JOURNAL OF SOIL CONSERVATION Vol. 33 April 2005 No. 1 Indian Association of Soil & Water Conservationist Dehradoon
15. ENVIS BULLETIAN HIMALAYAN ECOLOGY Vol 13, 2005, xp-1 G.B. Pant Institute of Himalayan Environment and Development– Almora
16. VIRAL DISEASES OF AGRICULTURAL CROPS IN KUMAON HILLS, G.C. Upreti & S.D. Dube, Vivek Nand Parvatiya Krishi Anusandhan Sansthan, Almora

****

Estelar